पुरानी द्वारिका के अवशेषों की खोज

3757. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने द्वारिका के निकट समुद्र में पुरानी द्वारिका के अवशेषों की खोज की है;

(ख) यदि हां, तो खोजे गए अवशेषों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन अवशेषों की ऐतिहासिक व्याख्या क्या है; और

(घ) क्या सरकार खोज की प्रगति में तेजी लाने का विचार रखती है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस० आर० बोम्मई): (क) से (ग) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने, द्वारिका समुद्र के निकट प्राचीन द्वारिका के अवशेषों से संबंधित किसी भी कार्य को अपने हाथ में नहीं लिया है। भारतीय समुद्र विज्ञान (एन० आई० ओ०) संस्थान्, गोवा जो कि सी०एस०आई०आर० का एक संस्थान है, जिसमें समुद्रीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्य को समुद्र वैज्ञानिक कार्यकलापों के रूप में लिया है। इनके सर्वेक्षण से यह पता चलता है कि प्राचीन बन्दरगाह जिसमें बुर्ज, दीवारें और नौकाओं के टुकड़े, जैसे लंगर और मस्तूल के अतिरिक्त कुछ धातुओं के मानव निर्मित उपकरण भी प्राप्त हुए हैं। प्राप्त हुए अवशेषों से यह अनुमान लगाया गया है कि इस शहर के निवासियों को नौका निर्माण, बन्दरगाह निर्माण और धातु विज्ञान का ज्ञान था।

(घ) सरकार द्वारा उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप अन्वेषण की प्रक्रिया, सतत् बनी हुई है।

कलकत्ता के राष्ट्रीय पुस्तकालय में ऐतिहासिक दस्तावेजों की सुरक्षा

3758. **श्री सूर्यभान पाटील वहाडणे: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता में बहुत सारे ऐतिहासिक दस्तावेज जीर्ण-शीर्ण अवस्था में या उपयोग नहीं की जाने वाली अवस्था में पड़े हुए हैं;

(ख) क्या पुस्तकालय के नियमानुसार ऐतिहासिक दस्तावेजों की सुरक्षा पर इन दस्तावजों को शोध छात्रों और शिक्षकों को मुहैया कराने की अपेक्षा अधिक ध्यान दिया जाता है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त दस्तावेजों की उचित सुरक्षा और उन्हें जरूरतमंद शोध छात्रों और शिक्षकों को उपलब्ध कराने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस० आर० बोम्मई): (क) जी, नहीं।

(ख) ऐतिहासिक दस्तावेजों की सुरक्षा की ओर ध्यान देने के साथ-साथ पुस्तकालय यह भी सुनिश्चित करता है कि ये दस्तावेज शोध अध्येताओं व शिक्षकों की आवश्यकता पड़ने पर संदर्भ के लिए सुलभ हो सकें।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Strengthening of External Academic Relations

3759. SHRI K. RAHMAN KHAN:
SHRI W. ANGOU SINGH:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have taken any measures to strengthen external academic relations;

(b) if so, the details thereof;

(c) the details of the education component of bilateral Cultural Exchange Programmes and other collaborative arrangements;

(d) whether information in this regard is not adequately published; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA):(a) Yes

(b) and (c) The Government of India has signed bilateral cultural exchange programmes (CEPs) with various countries. The CEPs typically provide for exchange of scholars/scientists/academicians, exchange of publications, literature and research materials in the field of higher education, equivalence of certificates/degrees/diplomas, exchange of experts and exchanges of scholars for courses of study in each others' academic